

22/2

पसावली जेठ २०१७ | वकील कापार्थ व पार्थ का  
आवाज लगे रहें | बार-बार आवाज लगाने के  
बावजूद भी वकील पार्थ व पार्थ न्यायालय के  
दाखिल नहीं होने पर आदेश २१२ RTI का  
आका दाखिल आका फेवरी में खासियत निम्न  
भाग में पसावली फैसला गुनाह होकर आवक  
से कम होकर दायरेल वापर हो